13 दरबार की प्रतिष्ठा

- परिचयात्मक प्रश्न - कोई मधुर वाणी बोलकर किसी को अपना बना सकता है या कर्कश स्वर बोलकर?
  - आपको किसी से कोई काम करवाना है तो उससे मधुर वाणी से बोलोगे या कर्कश स्वर में?
- प्रतिबिंब - बालकों को मधुर वाणी के महत्व से परिचित करवाना।
- परिकल्पना - कौन-सा पक्षी मधुर वाणी बोलता है? क्या आप मधुर वाणी वाली कोयल की विशेषताओं से परिचित हैं?

एक बार की बात है सम्राट अकबर के दरबार में एक व्यक्ति आया। उसका नाम यतिराजा था। वह अनेक भाषाओं का जानकार था। वह संस्कृत और फारसी में धाराप्रवाह बात कर लेता था। अकबर ने उसका बहुत सम्मान किया और उसे बहुमूल्य उपहारों की भेंट दी। यतिराजा भाषाओं की जानकारी तो रखता था, परंतु वह अहंकारी था। उसका कहना था कि विश्व का कोई भी आदमी हो, वह उससे उसी की भाषा में बात कर सकता है। वह सम्राट के दरबार में दरबारियों को उनकी मातृभाषा में किसी भी प्रश्न का उत्तर दे देता।

तमिल के विद्वान यतिराजा से तमिल में प्रश्नोत्तर करते। संस्कृत के विद्वान उससे संस्कृत में बातचीत, वाद विवाद करते। कोई तेलगु में प्रश्न करता तो वह तेलुगु में उत्तर देता। कोई मलयालम, कन्नड अथवा अरबी में बात करता तो उसे भी उसी की भाषा में उत्तर मिलता। यतिराजा वाकपटुता और भाषा-ज्ञान से सभी को चकित कर देता।

सम्राट अकबर और उनके दरबारी यतिराजा की भाषायी विद्वत्ता और उस पर उसके अधिकार से प्रभावित थे। परंतु अब उसमें अहंकार घर कर गया था। इतने अधिक मान-सम्मान ने उसे अंहकारी बना दिया था। उसने एक दिन भरे दरबार में सम्राट को संबोधित करते हुए चुनौती दी, "हुजूर, कल प्रातः तक जो मुझे मेरी मातृभाषा का नाम बता देगा, मैं उसी को अपना अग्रणी मान लूँगा। परंतु, यदि ऐसा न हुआ तो मुझे सभी से ऊपर और सर्वश्रेष्ठ मानना होगा।"

सम्राट ने उसकी चुनौती स्वीकार कर ली। सम्राट ने कहा, "कल प्रातः आपका प्रश्न उत्तर के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।"

यतिराजा दरबार से प्रस्थान कर गया। उसके जाने के बाद सम्राट ने दरबारियों से कहा, "क्या तुम लोगों में से किसी ने यतिराजा की मातृभाषा का अनुमान लगाया?" दरबारियों ने सम्राट की ओर देखा और गर्दन हिलाकर नजरें झुका लीं। अंत में अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दरबार की प्रतिष्ठा दाँव पर है। मुझे लगता है कि तुम्हीं इस समस्या का समाधान कर सकोगे।"

"मैं प्रयत्न करूँगा, हुजूर, "बीरबल ने कहा।

उस रात जब यतिराजा सम्राट का अतिथि बन अपने कमरे में सो रहा था, बीरबल चुपके-से उसके शयनकक्ष में प्रवेश कर गया। उसके हाथ में एक बारीक, लंबा तिनका था। वह यतिराजा के सिरहाने बैठ गया और तिनके से उसके कान को स्पर्श करने लगा। बार-बार ऐसा होने से यतिराजा की नींद टूट गई और वह इधर-उधर देखने लगा। किसी को वहाँ न पाकर वह आँखें बंद करके जैसे ही लेटा, बीरबल ने पुनः वैसा ही किया। बीरबल कभी इस कान में तो कभी उस कान में तिनका लगाता रहा। यतिराजा बहुत परेशान हो गया था। वह बार-बार कह उठता, "कौन है? कौन परेशान कर रहा है?" परंतु वहाँ किसी की उपस्थिति न पाकर बड़बड़ाते हुए जो शब्द बोलता, वे तमिल भाषा के थे। अपने प्रश्न के उत्तर में संतुष्ट होकर बीरबल वापस चला गया।

अगले दिन यतिराजा को सम्राट के समक्ष दरबार में बुलाया गया। बीरबल पूर्व की भाँति सम्राट के समीप आसन पर बैठा। सभी दरबारी बैचेनी से बीरबल के बोलने की प्रतीक्षा कर रहे थे। यतिराजा दरबार में उपस्थित हुआ। सम्राट ने आदरपूर्वक उसे बैठने के लिए कहा। इसके पश्चात् सम्राट ने बीरबल को बोलने की आज्ञा दी।

बीरबल यतिराजा से विभिन्न भाषाओं में बोलते हुए अंत में बोले, "महानुभाव! आपकी मातृ भाषा तमिल है।"

यतिराजा ने धीरे से 'हाँ' में अपनी गर्दन हिलाई। वास्तव में यही सत्य था। बीरबल ने यतिराजा को एक और सबक सिखाया। वह यतिराजा से अनेक भाषाओं में बोला, वह बताना चाहता था कि अकेले यतिराजा ही इतनी भाषाओं का जानकार नहीं अपितु कोई और अर्थात् बीरबल भी है। यतिराजा ने दरबार के वे सभी उपहार लौटा दिए, जो सम्राट ने उसें दिए थे और वहाँ से प्रस्थान कर गया।

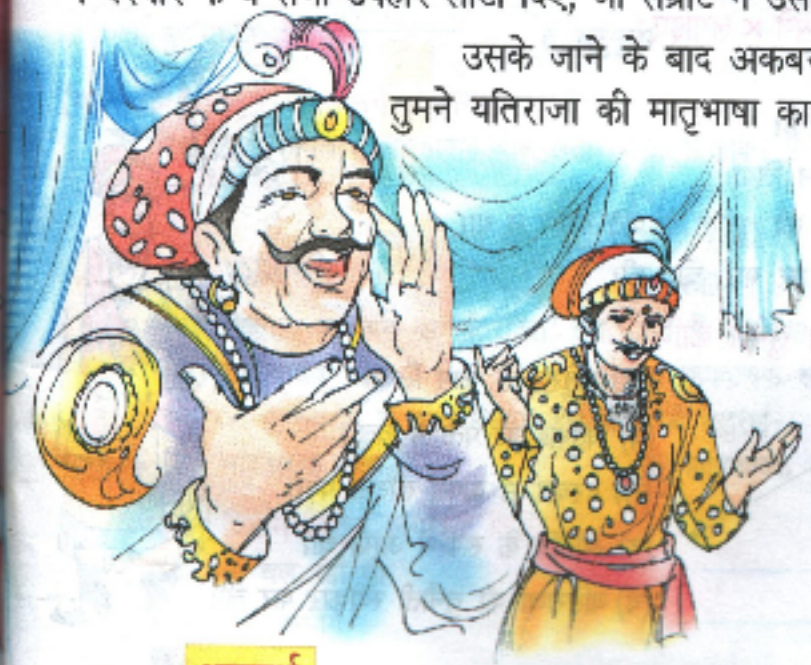

उसके जाने के बाद अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, बताओ तो, तुमने यतिराजा की मातृभाषा का किस प्रकार पता लगाया?"

"हुजूर, यद्यपि अभ्यास करने से कोई भी कितनी भी भाषाएँ धाराप्रवाह बोल सकता है, परंतु कोई कठिनाई या संकट आ जाने पर वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। जब मैंने कल रात उसकी नींद में व्यवधान डाला, तो वह तमिल में बड़बड़ाया। इस प्रकार मैंने जाना कि उसकी मातृभाषा तमिल है।" सम्राट बीरबल की चतुराई पर प्रसन्न हुए और उसे अनेक बहुमूल्य उपहार दिए।

शब्दार्थ

धाराप्रवाह = आवश्यक गति से और बिना रुके। बहुमूल्य = बहुत कीमती। अहंकारी = घमंडी। विश्व = संसार। वाकपटुता = बोलने में चतुराई व निपुणता। अग्रणी = श्रेष्ठ। प्रतीक्षा = इंतजार। प्रस्थान करना = चले जाना। व्यवधान डालना = रुकावट डालना।

अभ्यास-कार्य

पाठ से

■ **बहुविकल्पीय प्रश्न**

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए:

1. यतिराजा पारंगत था-

(अ) अनेक भाषाओं में ✓ (ब) दस भाषाओं में ☐ (स) पाँच भाषाओं में ☐

2. यतिराजा था-
(अ) अकबर के राज्य का अतिथि ✓ (ब) राज्य का एक विद्वान (स) बीरबल का परिचित

3. यतिराजा दरबारियों को चकित कर देता था-
(अ) विद्वता से (ब) वाक्पटुता और भाषा-ज्ञान से ✓ (स) बुद्धिमानी से

(ख) उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :

1. हुजूर, जो मेरी मातृभाषा का नाम बता देगा, उसे अपना अग्रणी मानूँगा। (राष्ट्रभाषा/मातृभाषा)
2. सम्राट ने चुनौती स्वीकार कर ली। (बीरबल/सम्राट)
3. बीरबल दरबार की प्रतिष्ठा दाँव पर है। (यतिराजा/बीरबल)
4. यतिराजा दरबार से प्रस्थान कर गया। (दरबारी/यतिराजा)

(ग) सही कथन के सामने ✓ तथा गलत के सामने × लगाइए :

1. अहंकार को सद्गुण माना जाता है। ×
2. अहंकारी व्यक्ति को सदा हानि उठानी पड़ती है। ✓
3. बीरबल ने अंत में यतिराजा को सर्वश्रेष्ठ मान लिया। ×
4. बीरबल के अतिरिक्त कोई दरबारी यतिराजा की चुनौती के प्रति गंभीर न था। ✓
5. बीरबल की चतुराई ने यतिराजा के अंहकार पर भारी चोट की। ✓

(घ) रेखा खींचकर परस्पर संबद्ध वाक्यांशों का सुमेल कीजिए :

1. यतिराजा सम्राट के दरबार में	(अ) चतुराई से काम लिया।
2. सम्राट ने	(ब) चतुराई का पता न चला।
3. बीरबल ने	(स) दरबार से वापस लौटना पड़ा।
4. यतिराजा को बीरबल की	(द) अतिथि के रूप में आया था।
5. अंहकारी यतिराजा को	(य) यतिराजा की चुनौती स्वीकार कर ली।

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए:

प्रतिष्ठा वाक्पटुता चुनौती प्रस्थान व्यवधान

■ इनके उत्तर लिखिए:

1. यतिराजा में क्या विशेषता थी?
यतिराजा में सभी भाषाओं का अच्छा ज्ञान था।

2. यतिराजा में कौन-सा अवगुण था?
यतिराजा में अपने ज्ञान का अहंकार था।

3. सम्राट अकबर यतिराजा से क्यों प्रभावित था?
सम्राट अकबर यतिराजा की भाषायी विद्वता और उस पर उसके अधिकार से प्रभावित थे।

4. यतिराजा ने सम्राट के सामने कौन-सी चुनौती प्रस्तुत की?
यतिराजा ने सम्राट के सामने उसकी मातृभाषा का पता करने की चुनौती प्रस्तुत की।

5. यतिराजा की मातृभाषा का पता लगाने के लिए बीरबल ने क्या किया?
यतिराजा की मातृभाषा का पता करने के लिये बीरबल ने उसके नींद में विघ्न डाला जिससे उसकी मातृभाषा का पता चल गया।

भाषा की बात

(क) विलोम शब्द लिखिए:

1. शक्तिहीन — शक्तिशाली
2. प्रसन्न — दुखी
3. विशेष — सामान्य
4. उपस्थित — अनुपस्थित
5. बुद्धिमान — मूर्ख
6. बहुमूल्य — अल्पमूल्य

(ख) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए:

1. 'यतिराजा तमिल में धाराप्रवाह बोल लेता था।' इस वाक्य में तमिल-
   (अ) विशेषण है ☐ (ब) संज्ञा है ☐ (स) क्रिया विशेषण है ✓
2. 'सम्राट अकबर का शासनकाल था।' इस वाक्य में सम्राट-
   (अ) पुल्लिंग है ✓ (ब) स्त्रीलिंग है ☐ (स) पता नहीं ☐
3. 'उस विद्वान का नाम था यतिराजा।' इस वाक्य में यतिराजा-
   (अ) जातिवाचक संज्ञा है ☐ (ब) भाववाचक संज्ञा है ☐ (स) व्यक्तिवाचक संज्ञा है ✓
4. 'बीरबल ने चतुराई से काम लिया।' इस वाक्य में चतुराई-
   (अ) भाववाचक संज्ञा है ✓ (ब) जातिवाचक संज्ञा है ☐ (स) व्यक्तिवाचक संज्ञा है ☐

(ग) उपयुक्त विराम-चिह्न लगाकर लिखिए:

1. ठंडी हवा चल रही थी — ठंडी हवा चल रही थी।
2. अब कहाँ जाओगे — अब कहाँ जाओगे?
3. पहले सोचो फिर बोलो — पहले सोचो, फिर बोलो।
4. रवि मनोज शालू और गोपाल ने पौधे सींचे — रवि, मनोज, शालू और गोपाल ने पौधे सींचे।

(घ) रिक्त स्थानों में उपयुक्त विशेषण भरिए:

1. बड़ा मैदान
2. नीला आकाश
3. नीली कमीज
4. लाल गुलाब
5. अच्छे फूल
6. विषैला फल
7. मीठे पत्ते
8. ऊँचा पेड़
9. नटखट बालक
10. भला आदमी
11. बड़े लोग
12. सुंदर नाम

विशेषण-
विषैला, नटखट,
बड़े, अच्छे,
मीठे, सुंदर,
लाल, नीला,
नीली, बड़ा,
ऊँचा, भला

(ङ) भाववाचक संज्ञा बनाइए :

1. ऊँचा ऊँचाई
2. आवश्यक आवश्यकता
3. सरल सरलता
4. बेईमान बेईमानी
5. मूर्ख मूर्खता
6. महान महानता
7. लंबा लंबाई
8. सूक्ष्म सूक्ष्मता

(च) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य चुनकर लिखिए :

वाक्य	विशेषण	विशेष्य
1. सुगंधित धूप जलाओ।	सुगंधित	धूप
2. दो मीटर कपड़ा लेकर कमीज सिलवा लो।	दो मीटर	कपड़ा
3. उसका नौकर लालची था।	लालची	नौकर
4. वह तीसरी मंजिल पर रहता है।	तीसरी	मंजिल
5. प्राचीन इमारत की दीवारें टूटने लगी हैं।	प्राचीन	इमारत
6. गरीब आदमी की सहायता करो।	गरीब	आदमी
7. वह लड़की क्या कर रही है?	वह	लड़की
8. मेरे पास दो रुपए हैं।	दो	रुपये
9. एक लीटर दूध लाओ।	एक लीटर	दूध
10. उपयोगी बातों पर ध्यान दो।	उपयोगी	बातों

(छ) वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. क्रम शब्द को सही क्रम में लिखकर वाक्य बनाइये।
   कर्म हमें अच्छे कर्म करना चाहिये।
2. द्रव द्रव का कोई निश्चित आकार नहीं होता।
   द्रव्य सोना एक द्रव्य है।
3. ओर हमें चारों ओर नजर रखनी चाहिये।
   और राम और श्याम अच्छे मित्र हैं।
4. चर्म नीम की पत्तियों का रस पीने से चर्म रोग दूर होता है।
   चरम भय की चरम सीमा साहस है।

कुछ करने की बात

(क) पाठ में उल्लिखित विभिन्न भाषाएँ कहाँ-कहाँ बोली जाती हैं कक्षा को बताइए।
(ख) अकबर-बीरबल के दो चुटकुले समुचित हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाइए।